

ज्योतिष कविज



संस्करण: अंग्रेजी | हिन्दी

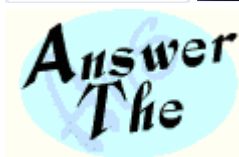
मंगलवार, अगस्त 21, 2012

मुखपृष्ठ | आपके विचार | हमसे मिलिए

चैनल

- राशिफल
- ज्योतिष संस्था *नया*
- ज्योतिष सामग्री *नया*
- परामर्श
- पंचांग
- बायोरेडमिक चार्ट
- व्यापारिक भविष्यवाणी
- पर्व एवं त्योहार
- फ्री डाउनलोड
- मंत्र
- चिकित्सा व ज्योतिष
- फ्यूचर समाचार
- पुस्तकें
- सेवाएं
- ज्योतिष डायरेक्ट्री
- ज्योतिष शिक्षा
- ऑन लाइन प्रश्न
- अध्यात्म
- सेमिनार
- ईपंडित नैटवर्क
- तीर्थयात्रा
- शोध लेख

साइट ढूँढिए



आपका फैसला

क्या मंगल दोष वैवाहिक जीवन को प्रभावित करता है?

- ☐ हाँ
☐ नहीं
☐ पता नहीं

[पिछले माह के परिणाम](#)

भवन का बाह्य भाग

पं. गोपाल शर्मा (बी. ई.)

यह संसार, और मनुष्य पांच तत्वों— अग्नि, वायु, आकाश, जल और पृथ्वी द्वारा बने हैं।

प्रत्येक मनुष्य में किसी एक तत्व की प्रधानता रहती है और जन्मानुसार उसमें किसी एक ग्रह की प्रधानता रहती है। इसलिए बाहरी ढांचे की रचना में गृह स्वामी की तत्व प्रधानता और ग्रह प्रधानता का मालूम होना अति आवश्यक है। यदि किसी कारणवश गृह स्वामी की जन्म तिथि नहीं मालूम, तो उसके नाम के चरणाक्षर द्वारा नक्षत्र और स्वामी देवता अनुसार तत्व प्रधानता और ग्रह प्रधानता निकाली जा सकती हैं।

यह जानना आवश्यक क्यों? :

भवन निर्माण में बाहरी उच्चता की रचना करते समय गृह स्वामी के प्रधान तत्त्वानुरूप निर्माण किया जाए और उसके शत्रु तत्व को अधिक वरीयता न दें, तो भवन गृह स्वामी के अनुकूल तरंगें उत्पन्न करेगा, जो सुख-समृद्धिदायक होंगी।

| तत्व मैत्री-शत्रु चक्र | | | |
|------------------------|--------|--------|--------|
| तत्व | मित्र | सम | शत्रु |
| पृथ्वी | जल | अग्नि | वायु |
| जल | पृथ्वी | वायु | अग्नि |
| वायु | अग्नि | जल | पृथ्वी |
| अग्नि | वायु | पृथ्वी | जल |

जल प्रधान तत्व वाले गृह स्वामी के भवन का बहिरंग जल तत्व को दर्शाता हुआ समुद्री नीला या समुद्री हरा हो सकता है। इन रंगों का संगमरमर पत्थर अबूग्रीन है। उसे भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

वायु प्रधान तत्व वाले गृह स्वामी के भवन का बहिरंग वायु तत्व को दर्शाता हुआ हल्के रंग, सफेद, सलेटी रंग, पारदर्शी प्रकार के हल्के मटमैले रंग का हो। गाढ़े सलेटी रंग के पत्थर का एक हिस्सा और हल्का क्रीम रंग भी सुंदर तालमेल बिठाते हैं।

पृथ्वी प्रधान तत्व वाले गृह स्वामी के भवन का बहिरंग, पृथ्वी तत्व को दर्शाता हुआ, गेरु मिट्टी रंग, मिट्टी रंग, धौलपुर पत्थर, आगरा पत्थर,

If you are not able to view the page properly then [Download Hindi Font.](#)

पंजीकृत सदस्य

यूजर आईडी

.पासवर्ड

[पंजीकरण](#) | [संशोधन पासवर्ड भूल गये हैं?](#)

ज्योतिष सामग्री



- हमारी साइट को अपने Favorites में

आज ही खरीदिए

लियो गोल्ड

डेमो कॉपी 250/-



फ्यूचर पॉइंट द्वारा निर्मित लियो गोल्ड, विंडो पर आधारित जन सामान्य के प्रयोग हेतु सुविधापूर्ण ज्योतिषीय सॉफ्टवेयर है।
और

बुचवर्क, हल्का हरा, मेंहदी या गुलाबी रंग का रख सकते हैं। उसमें वायु तत्व की झलक न आए।

विभिन्न तत्व वाले गृह स्वामी के भवन का बहिरंग, अग्नि तत्व को दर्शाता हुआ, पीला, पलेम नीला, केसरी लाल, संतरी रंग का तालमेल बैठा कर रख सकते हैं। इसमें जल तत्व की झलक न आए।

विभिन्न तत्व वाले गृह स्वामी के विषय में जानने का सरल तरीका निम्न लिखित है:

| तत्व | राशि | | |
|--------|------|---------|-------|
| जल | कर्क | वृश्चिक | मीन |
| वायु | तुला | कुंभ | मिथुन |
| पृथ्वी | मकर, | वृष, | कन्या |
| अग्नि | मेष | सिंह | धनु |

आंतरिक सज्जा भी वास्तु भवन निर्माण का एक महत्वपूर्ण अंग है और इसे किसी भी कीमत पर टाल नहीं सकते, या सरसरी तौर पर नहीं ले सकते। निर्मित भवन में यदि आंतरिक सज्जा वास्तु अनुसार नहीं की गयी, रसोई, स्नान घर, शयन कक्ष, बैठक आदि वास्तु सिद्धांतों के द्वारा व्यक्ति की तत्व प्रधानतानुसार नहीं बनाये गये, तो वास्तु लाभ प्रायः न्यून ही रह जाते हैं। इसलिए आंतरिक सज्जा का क्रमानुसार वर्णन किया जाएगा।

रसोई : सबसे पहले रसोई या पाकशाला, जो किसी भी गृह का एक महत्वपूर्ण स्थान है, क्योंकि घर की गृहिणी या मालकिन का अधिकतर समय रसोई में ही बीतता है। यदि रसोई उपयुक्त स्थान पर वास्तु के अनुसार रंगों और दिशाओं का चयन कर के बनाया गया है, तो इससे उत्पन्न होने वाली अनुकूल तरंगें गृह स्वामिनी को प्रसन्न और स्वस्थ रखेंगी। परिणामतः पूरा परिवार भी सुख-शांति अनुभव करेगा।

रसोई घर भवन के आग्नेय कोण में ही स्थित हो। दूसरा विकल्प अगर हो, तो वायव्य भी हो सकता है।

खाना बनाते समय गृहिणी पूर्वाभिमुखी या दक्षिणाभिमुखी हो सकती हैं। पश्चिम या उत्तरमुखी हो कर भोजन बनाना अवांछनीय है। इसलिए रसोई मंच पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर लगवाएं।

गैस चूल्हा और गैस सिलिंडर आदि रसोई के आग्नेय कोण में रखें। खाली सिलिंडर वायव्य में रख सकते हैं।

हो सके तो रसोई के ताक मंच के ऊपर न बनवाएं। परंतु रसोई के आग्नेय क्षेत्र में अलमारी आदि बनाना निषेध है।



लियो-पाम की मेमोरी में ज्योतिषीय प्रोग्राम है, जिससे विभिन्न ज्योतिषीय कार्य किये जा सकते हैं [और](#)

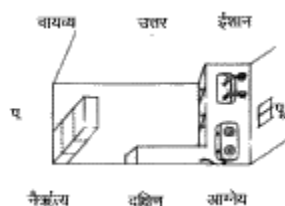


रसोई में बर्तन रखने की अलमारी नैऋत्य, दक्षिण, पश्चिम आदि में बनवाएं।

पानी का नल, पानी की चिलमची आदि ईशान क्षेत्र में लगवाएं।



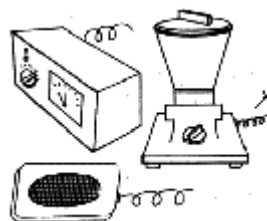
हॉट प्लेट, ओवन, मिक्सी आदि उपकरणों को भी रसोई के आग्नेय क्षेत्र में रखें।



आजकल बड़े मकानों, फार्म हाउस आदि में पैट्री-भंडार आदि का प्रावधान रखने का प्रचलन है। इसे रसोई के नैऋत्य, दक्षिण या पश्चिम में स्थापित किया जा सकता है। परंतु किसी भी स्थिति में इसे ईशान क्षेत्र में न बनाएं।

रसोई शौचालय के सामने न बनवाएं।

यदि रसोई बड़े आकार का है, तो उसमें खाने की छोटी मेज का प्रावधान, रसोई की पश्चिम दिशा में, किया जा सकता है।



अब प्रश्न यह उठता है कि रसोई में कौन से रंग की टाइल एवं किस रंग का मंच लगवाएं ?

गृहिणी की तत्व प्रधानता के अनुसार रंगों का चयन, व्यक्ति विशेष की ग्रह प्रधानता के अनुसार, नीचे दी गयी तालिका से भी कर सकते हैं।

| क्रम | ग्रह | शुभ रंग |
|------|----------|---|
| 1 | सूर्य | सुनहरा, चमकीला सफेद, पीला ब्रॉज, गोल्डन ब्राउन, हरा, भूरा। |
| 2 | चंद्र | मोतिया सफेद, क्रीम, हल्का पीला, हल्के से गहरा हरा, अंगूरी, कपूरी रंग। |
| 3 | बृहस्पति | सुनहरा पीला, पीला, गुलाबी, वायलेट, किरमजी। |
| 4 | हर्षल | सलेटी, हल्का नीला, नीला, (चटख रंग), विद्युत नीला। |
| 5 | बुध | सफेद, सलेटी, सभी रंगों के हल्के रंग, चमकीला और सभी प्रकार के हरे रंग। |
| 6 | शुक्र | चांदी जैसा सफेद, गुलाबी, गुलाब का रंग, आसमानी, गुलाबी, चाकलेटी। |
| 7 | वरुण | हरा, पीला, सफेद, पीलाभ। |
| 8 | शनि | गहरा सलेटी, सुनहरा या रुपहली धारियों वाला काला, गहरा नीला, जामुनी, भूरा, सूर्यास्त की आभा वाला गहरा सफेद। |
| 9 | मंगल | लाल, किरमजी, रक्ताभ गुलाबी। |

[FuturePointIndia.com](#) के बारे में | [हमको विज्ञापन दें](#) | [आपके विचार](#) | [हमसे मिलिए](#) | [मुखपृष्ठ](#)

© 1998-2002 FuturePointIndia.com (P) Ltd. - All rights reserved - [Disclaimer](#) - [Privacy Policy](#)

[ऊपर](#)

[पयूचर पॉइंट द्वारा प्राधिकृत साइट](#)